[This question paper contains 4 printed pages.]

(22) **Your Roll No.**............... 2019

IC

Sr. No. of Question Paper : 9336

Unique Paper Code : 62051404

Name of the Paper : Hindi 'A' (हिंदी 'ए')

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi 'A' – CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- (20)

(क) "न मुझे विद्वता की चाह है, न अनुभव की, न मर्मज्ञता की, न कार्य-कुशलता की। इन गुणों के महत्त्व का परिचय खूब पा चुका हूँ। अब सौभाग्य और सुअवसर ने मुझे वह मोती दे दिया है, जिसके सामने योग्यता और विद्वता की चमक फीकी पड़ जाती है। यह कलम लीजिए और अधिक सोच-विचार न कीजिए, दस्तखत कर दीजिए। परमात्मा से यही प्रार्थना है कि आपको सदैव वही नदी के किनारे वाला, बेमुरव्वत, उद्दण्ड, कठोर परन्तु धर्मनिष्ठ दरोगा बनाये रखे।"

अथवा

"अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए, अपनी इच्छा पूरी करने के लिए तुमने मुझे बनाया है। पर, यह ज़रूरी नहीं कि मैं तुम्हारी इच्छानुसार ही चलूँ, मेरा अपना अस्तित्व भी है, मेरे अपने विचार भी हैं।" मैं चिल्ला उठी, "जानते हो, तुम किससे बात कर रहे हो ? वह हँस पड़ा, मैं तुम्हारी स्त्रष्टा हूँ, तुम्हारी निर्माता! मेरी इच्छा से बाहर तुम्हारा कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं!"

(ख) परन्तु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम

है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्व-निर्धारित आत्म-बंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है।

अथवा

इसके उपरांत घीसा अच्छा हो गया और धूल और सूखी पत्तियों को बाँध कर उन्मत्त के समान घूमने वाली गर्मी की हवा से उसका रोज संग्राम छिड़ने लगा-झाड़ते-झाड़ते ही वह पाठशाला धूल-धूसरित होकर भूरे, पीले और कुछ हरे पत्तों की चादर में छिप कर तथा कंकालशेषी शाखाओं में उलझते, सूखे पत्तों को पुकारते वायु की संतप्त सरसर से मुखरित होकर उस भ्रांत बालक को चिढ़ाने लगती।

2. हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

हिंदी उपन्यास की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. 'मलबे का मालिक' कहानी की संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'पुरस्कार' कहानी में राष्ट्रीय भावना एवं व्यक्ति चेतना के द्वन्द्व का चित्रण है - विवेचन कीजिए ।

4. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध में लेखक ने मनुष्य की किस मूलभूत समस्या पर विचार किया है? स्पष्ट कीजिए । (12)

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का सार लिखिए ।

5. 'अंधेर नगरी' में चित्रित व्यंग्य की विभिन्न स्थितियों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए । (12)

अथवा

'घीसा' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :- (7)

(क) प्रसादयुगीन नाटक ;

(ख) प्रेमचंदयुगीन कहानी ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

(23) **Your Roll No..............** 2019

Sr. No. of Question Paper : 9338 **IC**

Unique Paper Code : 62051413

Name of the Paper : Hindi – C

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi – CBCS**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×2=20)

(क) अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है । आज ईद का दिन और उसके घर दाना नहीं! आज आबिद होता, तो क्या इसी तरह ईद आती और चली जाती! इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही है । किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को ? इस घर में उसका काम नहीं ।

(ख) 'तरक्की यूँ ही हो जाएगी ? साहब को खुश रखूँगा, तो कुछ करेगा, वरना उसकी खिदमत करने वाले और थोड़े हैं ?', 'तो मैं बना दूँगी, बेटा, जैसे बन पड़ेगा, बना दूँगी।' और मां दिल ही दिल में फिर बेटे के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं करने लगीं और मिस्टर शामनाथ, अब सो जाओ, मां, कहते हुए, तनिक लड़खड़ाते हुए अपने कमरे की ओर घूम गए।

(ग) "सुन्दर बात कही है आपने। सुना सदाशिव जी, परिस्थितियों में मनुष्य को बदलना ही चाहिए, चाहे मन मार कर ही सही। आप देखते हैं टेलीफोन की घंटी बज रही है, तो चाहे व्यस्त क्यों न हो, उठकर सुनना ही चाहिए। हर बार कह देते हैं, हम हिसाब कर रहे हैं।"

(घ) भक्ति मूलतः संयम नहीं। संयम में जो आत्म-पीड़न होता है उसका नाम भक्ति नहीं। भक्ति मन का दमन नहीं करती। वह मन को मोड़ती है। 'कम सुन्दर' से इंद्रियों को हटा कर 'अचिंत्य सौंदर्य' की ओर लगा देती है।

2. (क) हिन्दी गद्य के विकास का परिचय दीजिए। (12)

अथवा

हिन्दी निबंध - यात्रा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) चिमटा खरीदने के पक्ष में हामिद के तर्कों को अपने शब्दों में लिखिए। (12)

अथवा

"चीफ की दावत" कहानी के आधार पर शामनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ?

(ग) 'जबान' निबंध का मूल संदेश लिखिए। (12)

अथवा

"होना कुछ नहीं का" निबंध सरकारी निकम्मेपन को दिखाता है' - स्पष्ट कीजिए।

(घ) "गिल्लू" संस्मरण मनुष्य और गिलहरी के बीच आत्मीय संबंध को दर्शाता है" - स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

"गंगा स्नान करने चलोगे" का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (7)

(क) भारतेन्दु के नाटक

(ख) ललित - निबंध

(ग) संस्मरण